भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 503

जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2024 को दिया जाना है।

.....

उत्तर कोयल जलाशय परियोजना

503. श्री अभय कुमार सिन्हा:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के पूरा होने में अत्यधिक विलंब के क्या कारण है;

(ख) उक्त महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए अब तक कुल कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है;

(ग) क्या उक्त परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए कोई समिति गठित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त परियोजना में कितनी धनराशि व्यय होने की संभावना है; और

(ङ) उक्त परियोजना के अंतर्गत झारखंड में आने वाले 0 से 31 किलोमीटर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री राज भूषण चौधरी)

(क): बिहार सरकार द्वारा उसके स्वयं के संसाधनों से 1972 में इस परियोजना के निर्माण कार्य की शुरूआत की गई थी। नये वन संरक्षण अधिनियम (1980) को सख्ती से लागू किए जाने कारण बिहार सरकार के वन विभाग द्वारा 1993 में कार्य को रूकवा दिया गया। वर्ष 2016 में, भारत सरकार ने इसके संभावित लाभों को महसूस करते हुए परियोजना को कार्यात्मक बनाने हेतु इसके शेष कार्यों को पूरा करने के लिए सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। अगस्त 2017 में, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के शेष कार्यों के प्रस्ताव को मंजूरी दी। हालांकि विभिन्न कारणों जैसे झारखंड सरकार के वन विभाग से मिलने वाली अपेक्षित मंजूरी में लगने वाले समय, बांध स्थल पर स्थानीय ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शनों और बिहार राज्य में किए जाने वाले कार्यों के लिए सहमति प्रदान करने में बिहार सरकार द्वारा लिया गया समय जैसे कई कारणों से परियोजना के कार्य की प्रगति प्रभावित हुई। इसके बाद, राज्य सरकारों द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर विविध घटकों को शामिल करते हुए आर्थिक मामलों संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) द्वारा 04.10.2023 को संशोधित लागत अनुमान को मंजूरी दी गई। शेष कार्यों को पूरा करने हेतु सीसीईए द्वारा संशोधित लागत को अनुमोदित किए जाने की तारीख से 30 महीने तक की अवधि प्रदान की गई है।

(ख): उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के शेष कार्यों की संशोधित लागत ₹2,430.76 करोड़ रू. है, जिसमें केंद्रीय सरकार का अंशभाग: ₹1,836.41 करोड़ रू;, बिहार का अंशभाग: ₹547.04 करोड़ रू. और झारखंड का अंशभाग: ₹47.31 करोड़ रू. है। परियोजना के शेष कार्यों को पूरा करने के लिए अब तक ₹742.54 करोड़ रू. (केंद्रीय अंशभाग: ₹721.22 करोड़, बिहार का अंशभाग: ₹1.23 करोड़ और झारखंड का अंशभाग: ₹20.09 करोड़) की राशि जारी की गई है।

(ग): परियोजना के शेष कार्यों के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी के लिए जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक अधिकार प्राप्त समिति और सीडब्ल्यूसी के सदस्य (डब्ल्यूपीएंडपी) की अध्यक्षता में एक तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) जिसमें दोनों राज्य सरकारों (बिहार और झारखंड), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), जल संसाधन विभाग, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर) और वाप्कोस के सदस्य शामिल हैं, का गठन किया गया है।

(घ): उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना के शेष कार्यों की संशोधित लागत 2,430.76 करोड़ रुपये है।

(ङ): झारखंड में पड़ने वाले 0 से 31 किलोमीटर क्षेत्र का 22% कार्य पूरा हो चुका है।

****